POSTAL REG. NO. THC/251/2022-2024 RNI. REGN. NO. MAHBIL/2021/15722

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME–4 ISSUE–11 NOV 2024 AMBERNATH PAGE 1 OF 4 RS 5/-

न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका तथा मीडिया का लेखा-जोखा जनता तक पहुंचाना , प्रारंभ मे एक मासिक के रूप में शुरू, इस मासिक समाचार पत्र का मूल उद्देश्य है । पाठक अपना विचार हिन्दी या अंग्रेजी में बेहिचक दे सकते हैं । शर्त सिर्फ यह है कि विचार किसी भी तरह के , प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से,पूर्वाग्रह से रहित होना चाहिए ।

email id: vote1957@gmail.com

जस्टिस चंद्रचूड़ का कार्यकाल

करीब दो साल के कार्यकाल के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश अगले महीने सेवा निवृत होने वाले हैं।इसलिए स्वाभाविक है कि उनके कार्यों की समीक्षा होगी, चर्चा होगी। विशेष रूप से !

विशेष रूप से इसलिए कि जस्टिस चंद्रचूड़ के आगमन के पहले उनके पद पर आसीन लगभग सभी महानुभावों की खुल कर आलोचना हुई है। उनके सत्ताधारियों से नजदीकी होने की बात होने लगी थी। स्वयं सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों ने खुल्लमखुल्ला तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश महोदय के कामकाज के ढंग पर आक्षेप लिया था। एक जज महोदय को उनकी निवृत्ति के बाद राज्य सभा का सदस्य बनाया गया था।

जस्टिस चंद्रचूड़ के आगमन के बाद आलोचना का सिलसिला थम सा गया। लोगों में आशा बंधी। हुआ भी कुछ ऐसा ही। सरकारों की खिंचाई होने लगीं। सरकारें भी असहजता महसूस करने लगीं !पर समय के अंतराल में , मेरे अवलोकन के मुताबिक, जस्टिस चंद्रचूड़ सामंजस्य के शिकार बनते लगने लगे। उदाहरणार्थ:-

1. इलेक्टोरल बॉन्ड की सुनवाई में असाधारण विलंब !
2. इलेक्टोरल बॉन्ड का फैसला स्वागत योग्य है पर खरबों में पैसों की लेनदेन की जांच करने के लिए एसआईटी गठित करने की मांग वाली याचिका को खारिज करना समझ के बाहर है !
3. महाराष्ट्र में दकबदल द्वारा सत्ता के उलटफेर में राज्यपाल की भूमिका को गलत बताने के बावजूद सरकार का आज तक कायम रखने का तुक भी समझ के बाहर है।
4. हिंडेनबर्ग के खुलासों के मद्देनजर अडानी ग्रुप के कंपनियों के शेयरों की जांच पड़ताल में नरमी भी समझ से बाहर है । वह भी तब जब सेबी की चेयरमैन की सांठगांठ सामने आई है।
5. मोदी जी के अपने घर गणपति पूजा के लिए बुलाकर तस्वीरों को सार्वजनिक किया जाना भी इनके पद के अनुकूल नहीं माना जा रहा है।
6. और अंत में राम मंदिर के फैसले में भगवान में आस्था का हवाला देना भी समझ के बाहर है ।

TATA -A Very Calm And Quiet Personality

We have grown up hearing the name Tata - Birla the only industrialists/capitalists of the yore - being routinely criticised by all politicians pushing for their socialist or communist ideologies. They were the talk of the days similarly as is being witnessed in regard to Adani - Ambani of today !

We have a beautiful city named after Tatas called Tatanagar or Jamshedpur in the then Bihar now Jharkhand, which is known for its biggest steel plant TISCO or for automobiles industry the TELCO.

Today I don't think that there is any field which Tatas have not touched. Salt to automobiles to Communication to TCS etc.

He was a kind hearted person and had humane nature. I have never come across any agitations or irritations among its workforce.I extend my heartiest tribute to this legendary figure and wish all industrialists /capitalists to emulate his virtues while dealing with its workers !

जस्टिस संजीव खन्ना भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे

ज्ञातव्य है कि भारत के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाय चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 को सेवानिवृत हो रहे हैं। उनकी जगह जस्टिस खन्ना लेंगे।

इनके मुख्य फैसलों में भारत सरकार के गुप्त चुनाव बॉन्ड स्कीम को रद्द करने का फैसला भी है।हालांकि कि इनका कार्यकाल 6 महीने के लगभग रहेगा फिर भी न्याय के लिए कोई भी समय कम नहीं होता है। भारत में नफ़रती भाषणों तथा अभियुक्तों के घरों को बुलडोजर से ढाहे जाने जैसे बीजेपी सरकारों के न्याय के नए तरीकों पर रोक लगने की जरूरत है। चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए बनाए गए नियमों में सुप्रीम कोर्ट के सुझाव के बावजूद चयन समिति में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को शामिल नहीं करने के प्रावधान के खिलाफ भी याचिका लंबित है !

महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावी घमासान के बिगुल

महाराष्ट्र में सभी 288 विधान सभा सीटों के चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर 2024 को होंगे तथा झारखंड के 81 विधान सभा सीटों के चुनाव दो चरणों में 13 नवंबर 2024 तथा 20 नवंबर 2024 को होंगे !वोटों की गिनती 23 नवंबर 2024 को होगी तथा रिजल्ट भी उसी दिन दो पहर तक साफ हो जाएंगे।तबतक ओपिनियन पोल तथा एग्जिट पोल का मजा मिलता रहेगा लोगों को तथा चुनाव की गहमागहमी का भी !

Wars In Making

With Iran's retaliation by firing of misiles in Israel after Israel attack on lebanan - the entire zone of middle East seems to be going for an all out war which will be ruinous for humanity.

We should pray for sound counsels to prevail on the warring countries and also to those who are behaving like mute spectators !

The world we live in can't afford any more war which could be devastating in view of the improved warfares developed in the world.

World leaders can recall the memories of Nagashaki and Hiroshima of Japan which were reduced to rubbles !

Grow More Child

The BJP's NDA partner and Andhra Pradesh Chief Minister Chandrababu Naidu is all set to reverse the clock. Instead of population control he is advocating for bigger families with more children. He said that instead of "Small Family" now the slogan should be to "Grow More Children".

He is so much enthused by his new found idea that he has decided to incentivise those who would have more children , more than two !

प्रोफेसर जी एन साईबाबा नहीं रहे!

व्हील चेयर के सहारे चलने वाले दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर साहब को माओवादियों से संबंध होने के आरोप पर महाराष्ट्र पुलिस ने 2014 में गिरफ्तार किया था तथा 2017 में सेसंस कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसी साल 5 मार्च को बॉम्बे हाई कोर्ट के नागपुर बेंच ने इन्हें सबूत के अभाव में बरी कर दिया था। गैलब्लेडर का ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन के बाद जटिलता बढ़ी तथा उनका इंतकाल हो गया !विशेष बात है कि भारत में कई बुद्धिजीवियों को प्रतिबंधित माओवादियों से संबंध होने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है। वर्षों जेल में रखा जाता है। स्वाभाविक है कि जेल में उतनी देखरेख नही हो पाती है जितना घर पर हो सकता है ।इसलिए बीमारी बढ़ती है।

जय प्रकाश नारायण को एनर्जेंसी में गिरफ्तार किया गया था। उसी दौरान उनकी किडनी खराब हो गई जो बाद में उनकी मृत्यु का कारण बनी।

अभी हाल ही में फादर स्टेन स्वामी की मृत्यु हों गई थी जेल के दौरान ही।

और अब इस बुद्धिजीवी तथा मानवाधिकार कार्यकर्ता की जान गई। क्या समाज को ऐसे मामलों के बारे में ध्यान नहीं देना चाहिए !

प्रियंका गांधी वायनाड़ से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी

लोकसभा में दोनों भाई - बहनों की उपस्थिति लोकसभा को जानदार बना सकती है ! प्रियंका गांधी भी अपने भाषण के लिए जानी जाती हैं ! इसके साथ ही आगामी लोकसभा के दो उपचुनावों के परिणामों के बाद लोकसभा मे काँग्रेस की संख्या '100 के पार ' हो सकती है !

POSTAL REG. NO. THC/251/2022-2024 RNI. REGN. NO. MAHBIL/2021/15722

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME–4 ISSUE–11 NOV 2024 AMBERNATH PAGE 2 OF 4 RS 5/-

प्रोफेसर जी एन स्वामी की 10 साल की जेल - यातना

साईबाबा, जो 90% विकलांगता के साथ जीवन व्यतीत कर रहे थे और गतिशीलता के लिए व्हीलचेयर पर निर्भर थे, उनकी जेल में रहने के दौरान अत्यधिक शारीरिक ह्रास हुआ। जेल में उन्हें गंभीर बीमारियाँ हुईं, जिन्होंने हृदय, पित्ताशय और अन्य अंगों को प्रभावित किया।

उनकी जेल की यादों में लिखी पुस्तक "तुम मेरे रास्ते से इतना क्यों डरते हो?" में साईबाबा ने लिखा है कि जेल की अवधि ने उन्हें "अत्यधिक दर्दनाक और निरंतर पीड़ा" में डाल दिया, और "एक के बाद एक, मेरे अंग फटते गए।" उन्होंने कहा कि जेल की स्थितियों ने उन्हें अमानवीय और निर्जीव स्तर तक ले जा दिया है।

उन्होंने लिखा, "मेरे स्वर तंत्र में घाव हो गए, जिससे मेरी आवाज बिल्कुल पतली और अनसुनी हो गई। मेरा हृदय हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी से टूट गया। मेरे मस्तिष्क में सिंकोप नामक स्थिति के कारण ब्लैकआउट होने लगे। मेरे गुर्दे में पथरी जमा हो गई; मेरे पित्ताशय में पत्थर जमा हो गए और अग्न्याशय में दर्द का एक पुच्छल तंत्र विकसित हो गया। मेरे बाएं कंधे में तंत्रिका रेखाएं टूट गईं, जिसे ब्रैकियल प्लेक्सोपैथी कहा जाता है। अधिक से अधिक अंग मौन हो गए। मैं दिन-रात दर्द में जी रहा हूं। मैं जीवन के किनारे पर जी रहा हूं।"

"मुझे मेरी मां का अंतिम दर्शन तक नहीं करने दिया गया । जहां ब्लातकारियों को बार बार पैरोल मिलता है उन्हें उनकी सजा कम कर के जल्दी रिहा कर दिया जाता है वहीं मुझे मां से नहीं मिलने दिया गया !" "उस मां से, जिसने मुझ पोलियों ग्रसित बच्चे को बड़े ध्यान से भली भांति पाला पोसा , मुझे मिलने नहीं दिया गया !"-- जी एन साईबाबा !

बॉम्बे हाई कोर्ट ने इनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं पाए इसलिए इन्हें बरी किया था।

जेल यातना ने इनके शरीर को तोड़ दिया था जिसके चलते इनकी मृत्यु हो गई।

पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या के आरोपियों का तथाकथित हिंदुवादी संगठनों द्वरा अभिनंदन हिन्दू धर्म को बदनाम करने वाले ही हो सकते हैं !

देश के मौजूदा परिवेश मे बलात्कारियों , व्यभिचारियों तथा हत्यारों का अभिनंदन आम बात हो गई है ।

गुजरात के बिलकिस बानो के बलात्कारियों का जेल से छूटने के बाद सार्वजनिक रूप से स्वागत किया गया था ।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के थानेदार सुबोध कुमार सिंह के हत्या के आरोपियों के बेल पर छूटने के बाद अभिनंदन किया गया था ।

और अब पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या के आरोपियों का जमानत पर छूटने के बाद हार माला पहनाकर अभिनंदन करना किस तरह की मानसिकता दर्शाता है !

इसी तरह से गांधी जी के हत्यारे को भी गौरवान्वित किया जाता है !

और हिन्दू धर्म की रक्षक सरकारों द्वारा ना तो ऐसे लोगों पर कोई कार्रवाई की जाती है ना ही भर्त्सना !

बिहार मे नौकरी देने की होड़

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने 2.8 लाख मतलब 2 लाख 80 हजार नौकरियों की वैकन्सी जाहिर किया है तथा दावा किया गया है कि ये रिक्तियां (vacancies) जल्दी भरी जाएंगी ।

जाहीर है कि ये प्रचार अगले साल होने वाले बिहार विधान सभा के चुनावों के मद्देनजर ही किया जा रहा है । आखिर तेजस्वी यादव की मुहिम काम तो आ रहा है जो पिछले विधान सभा कुणाव में गल फाड़ फाड़ कर जनता को आश्वासन दे रहे थे कि उनकी सरकार आने पर वे 10 लाख सरकारी नौकरी देंगे ।

क्रूर टोना टोटका अंधविश्वास ने एक बच्चे की जान ली

यूपी के हाथरस के एक स्कूल में 9 साल के एक बच्चे की नरबली !

स्कूल के मालिकों को ये भान था कि नरबली से उनके स्कूल का नाम होगा, ख्याति मिलेगी तथा स्कूल तरक्की करेगा अर्थात उनके यहां धन दौलत की बारिश होगी ! इसलिए स्कूल वालों ने इस कुकृत्य को अंजाम दिया !

सवाल सिर्फ एक जान का नहीं है बल्कि इस सोच का है !इस तरह के प्रतिगामी सोच समाज को कहां ले जायेगी !

महाराष्ट्र एक राज्य है जहां जादू टोना टोटका के खिलाफ कानून बनाया गया है वहां के एक समाज सुधारक तथा प्रगतिशील विचार रखने वाले नरेंद्र दाभोलकर की कुछ सनाकियों द्वारा हत्या के बाद !

क्या अन्य राज्य इसी तरह के कानून नहीं ला सकते हैं ! यूपी को इस घृणित हत्या के बाद ऐसा कानून जरूर लाना चाहिए ताकि लोगों में डर तथा जागृति पैदा हो तथा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो !

आप इसी तरह टांग अड़ाते रहेंगे तो लोकतंत्र का क्या होगा - सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के एलजी (लेफ्टिनेंट गवर्नर) को आड़े हाथों लिया !

बात ये है दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में स्टैंडिंग कमिटी का चुनाव दिल्ली के एलजी के आदेश पर डीएमसी के कमिश्नर की निगरानी में चुनाव कराया गया। इसमें से एक स्टैंडिंग कमिटी के बीजेपी के सदस्य के हाल के लोकसभा के चुनाव जीतने के कारण उनकी जगह खाली थी। इसका भी चुनाव एलजी ने करा दिया। फिर से बीजेपी का ही कॉरपोरेटर चुना गया है।

दिल्ली की मौजूदा मेयर शेली ओबेरॉय ने स्थाई समिति के सदस्यों के चुनाव को चुनौती दी है सुप्रीम कोर्ट में। डीएमसी के नियमों का हवाला देते हुए कि स्थाई समिति के सदस्यों का चुनाव कराना मेयर के अधिकार क्षेत्र में आता है।

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस पी एस नरसिम्हा तथा जस्टिस आर महादेवन की एक खंडपीठ ने दिल्ली एलजी से जवाब तलब किया है तथा आदेश दिया है कि स्थाई समिति के अध्यक्ष का चुनाव नही कराया जाय सुनवाई पूरी होने तक

An NCP (Ajit Pawar's) Leader Baba Siddiqui Shot Dead In Broad Daylight In Mumbai

Is Maharashtra Going Northern Indian States Ways where such shootouts are not considered uncommon. But Maharashtra , that too, Mumbai Police is known for its deterrence power - where such incidents of shoootouts must be surprising.

Killing of a person who has Y - category security , in broad daylight in open must be concerning the law enforcers and their political bosses.

The common refrain of general public must be that if this can happen to a politician, having Y - category security, of a ruling party - what is the plight and security of the common man !

बांद्रा टर्मिनस में भगदड़

मुंबई के बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर गोरखपुर जाने वाली गाड़ी पकड़ने में दिवाली- छठ की गर्दी से भगदड़ में 10 घायल हो गए। कुछ की हालत गंभीर है।

ऐसा हर साल होता है दिवाली तथा छठ पूजा के मौके पर। यूपी तथा बिहार की ओर जाने वाले यात्रियों के साथ ।कभी सूरत में तो कभी दिल्ली में तो इस बार मुंबई में। वैसे सामान्य समय में भी सामान्य बोगी में इसी तरह की हालत रहती हैं। यात्रियों की हालत जानवरों से भी बदतर दिखती है खचाखच भरी गाड़ियों में !भारतीय रेल की लापरवाही तथा अनदेखी ही एक मात्र कारण हो सकता है। भीड़ को नियंत्रित करने में विफलता का कारण और क्या हो सकता है ।

POSTAL REG. NO. THC/251/2022-2024 RNI. REGN. NO. MAHBIL/2021/15722

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME–4 ISSUE–11 NOV 2024 AMBERNATH PAGE 3 OF 4 RS 5/-

अब नकली कोर्ट तथा नकली जज भी आने लगे हैं !

मामल गुजरात के गांधीनगर का है ! ये महाशय पाँच साल से अपनी अदालत (Tribunal) चला रहे थे ! जिला कोर्ट मे लंबित मामलों की सुनवाई करते थे तथा आदेश भी पास करते थे । दफ्तर भी असली कोर्ट जैसा बना रखा था जिसमें रेजिस्ट्रार तथा अन्य स्टाफ भी नकली थे। वकील भी नकली । पैसे खूब मिलते थे ।

अचानक पकड़े गए । आखिर जालसाजी कब तक चलती ! पर अब लोगों को सावधान रहने की जरूरत है कोर्ट कचहरी वकील जजों के मामले में भी । अभी कुछ ही दिन पहले सुप्रीम कोर्ट की एक नकली सुनवाई में एक व्यक्ति को लाखों का चूना लगाया था साइबर धोखेबाजों ने । उक्त सुनवाई मे स्वयं सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली खंडपीठ का दृश्य प्रस्तुत कर के उस व्यक्ति को ठगा गया था ।

करवाचौथ भारी पड़ा !

करवा चौथ के दिन घर पर पति के देर से आने से विक्षुब्ध पत्नी ने भावुकतावश ट्रेन से कट कर अपनी जान ली । पति ने भी फांसी लगा कर अपनी जान दी।

यह घटना राजस्थान के हरमाड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के नंगल सिरस गांव में करवाचौथ के दिन रविवार को घटित हुई जब घनश्याम बुंकर (38) रात में देर से घर आए, जिससे उनकी पत्नी मोनिका (35) के साथ झगड़ा हो गया। पुलिस के अनुसार, मोनिका रात करीब 12.30 बजे गुस्से में घर से निकल गई और घनश्याम उनके पीछे गया। थोड़ी देर बाद, मोनिका एक चलती ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना से स्तब्ध घनश्याम घर वापस आया और अपने दो बच्चों के अलग कमरे में सो रहे होने के दौरान फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार, आत्महत्या से पहले, घनश्याम ने अपने भाई को व्हाट्सएप पर संदेश भेजकर अपनी पत्नी की आत्महत्या की जानकारी दी। उन्होंने लिखा: "भाई, मैं हार गया, सॉरी! मेरी पत्नी को ट्रेन से कुचल दिया गया।"

यह घटना एक दुखद और हृदयविदारक घटना है, जिसमें एक छोटे से झगड़े ने दो जिंदगियों को बर्बाद कर दिया।

चुनाव में आदर्श आचरण संहिता का मखौल खत्म हो !

चुनाव प्रचारों के दौरान भी मंत्री संत्री सभी आदर्श आचरण संहिता (Model Code of Conduct - MCC) की धज्जियां उड़ाते रहते हैं और चुनाव आयोग मूकदर्शक बना रहता है।

असम के मुख्यमंत्री देश में बसे तथाकथित बाबरों को लात मार कर बाहर निकालने की बात करते हैं वहीं स्वयं राष्ट्र प्रमुख प्रधानमंत्री अपने "घुसपैठिए" शब्द के प्रयोग के लिए जाने जाते हैं। और ये सब एक खास समुदाय के लोगों को इंगित कर के किया जाता है ।

अन्य पार्टी के नेता गण भी बीजेपी के नेताओं के लिए व्यक्तिगत टिप्पणी करते नजर आते हैं मसलन झारखंड में एक कांग्रेस नेता ने बीजेपी प्रत्याशी सीता सोरेन के बारे में कही।

चुनाव आयोग को संविधान में पूरा अधिकार दिया गया है चुनाव को साफ सुथरा बनाने के लिए। पर आयोग अक्षम दिख रहा है । शिकायतों पर तुरंत तथा प्रभावकारी कदम उठाना चाहिए ताकि ऐसे आचरणों की पुनरावृति न हो।

ADR (Association for Democratic Reform) द्वारा की गई शिकायतों पर, (कि पिछले लोकसभा के कुल 543 सीटों में से 536 सीटों के चुनावों में ईवीएम में कुल पड़े मतों की संख्या तथा गिनती किए गए मतों की संख्या में फर्क क्यों है ?) अब तक कोई जवाब नहीं दे पाया है ।ऐसे में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने स्वाभाविक तो है ही !

ईडी ने हद कर दी ! - सुप्रीम कोर्ट

रात भर पूछताछ ! अक्षम्य है !सुप्रीम कोर्ट का ऐसा आक्रोश बहुत कम देखने को मिलता है !

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका तथा जस्टिस अगस्टिन जॉर्ज मसीह का एक खंडपीठ छत्तीसगढ़ के एक आईएएस अधिकारी अनिल टूटेजा की याचिका की सुनवाई कर रहा था। इस याचिका के दौरान जब पता चला कि छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले में अभियुक्त आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा के साथ ईडी ने रातभर पूछताछ की है। ये जानते हुए भी कि टुटेजा की पूछताछ छत्तीसगढ़ की एसीबी कर रही है ईडी ने अनिल टुटेजा के लिए 5 घंटे में दो बार बुलावा भेजा तथा बुलाकर रातभर पूछताछ की !

ईडी द्वारा पीएमएलए मतलब मनी लॉन्ड्री के कानून के इस कदर दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट के जज भड़क गए तथा सरकारी वकील से आगामी शुक्रवार तक एफिडेविट देने के लिए कहा जिसमें पूरा विवरण होना चाहिए मसलन:-

1. ईडी को ऐसी जल्दी क्या थी जो 5 घंटे में दो बार सम्मंस भेज दिया , वो भी तब जब अभियुक्त पहले से ही छत्तीसगढ़ पुलिस के पास पूछताछ का सामना कर रहे थे !
2. ईडी ऑफिस तक अनिल टुटेजा को कौन लाया ?
3. रातभर पूछताछ करने की अर्जेंसी क्या थी ?

जजों ने ईडी के अधिकारियों के पीएमएलए के आड़ में कामकाज के ढंग पर स्पष्ट शक किया। इनकी तुलना आईपीसी के सेक्शन 498A से कर दी जिसके दुरुपयोग महिलाओं द्वारा उनके ससुराल वालों को परेशान करने के लिए किए जाने की बात जैसी है।

ये कैसा न्याय है , भाई !

सुरेन्द्र गडलिंग ने जो एक वकील हैं तथा एलगर परिषद - भीमा कोर गाँव मामले में बिना ट्रायल के वर्षों से मुंबई के नजदीक तलोजा जेल में हैं संबंधित जज के सामने शिकायत की है उन्हें उत्पीड़ित किया जा रहा है। सोने के लिए खाट भी नहीं दी जा रही है कोर्ट के आदेश के बावजूद। उनकी तबीयत बिगड़ती जा रही है। उन्हें जेल में घूमने भी नहीं दिया जा रहा है । जेल के कमरों में कैदियों की संख्या अत्यधिक होने के कारण मूल भूत सुविधाओं की तकलीफ है । उनकी शिकायत है कि तारीखों पर उन्हें तथा कुछ अन्य कैदियों को जज के सामने नहीं ले जाया जा रहा है। इस बात को लेकर उन्होंने कुछ कैदियों के साथ अनशन भी किया था ।

पार्किनसन ग्रसित स्टैन सामी को पानी पीने के लिए स्ट्रॉ के लिए मशक्कत करनी पड़ी तथा जेल में ही मृत्यु को प्राप्त हो गए। प्रोफेसर जी एन साई बाबा जेल से बेल पर छुटने के कुछ ही दिन बात मृत्यु को प्राप्त हो गए। उन्हें तो उनकी मृत शैया पर पड़ी माँ से मिलने तक नहीं दिया गया । बेचारी चल बसीं। माँ से नहीं मिलने की पीड़ा तथा अन्य बीमारियों से पीड़ित साईबाबा भी नहीं बचे।

उसी तरह की हालत इन वकील सुरेन्द्र गडलिंग के लिए भी पैदा की जा रही है भारत की लापरवाह न्याय व्यवस्था द्वारा जहां प्रक्रिया को ही दंड के रूप मे प्रयोग करने की चलन हो गई है।

Why Does Supreme Court Shy Away From Using Its Might

The Supreme Court , instead of putting the symbol 'Clock' on hold, has taken a middle rather ambiguous path of adding a disclaimer with the use of the symbol by Ajit Pawar Group. The disclaimer is that that the this symbol could be used with a declaration that the matter of symbol is sub-judice.The SC has done this during Loksabha elections as well.

What type of message does such decisions convey to the public ? Such confusion must be creating confusion among the vast majority of masses who hardly have time or competence to go through and grasp the import of such decisions .Normal course for judiciary is usually to put an interim stay on use of the symbols by parties to the dispute till the final verdict is pronounced or if judges are very sure they would dismiss the application saying nothing doing.

POSTAL REG. NO. THC/251/2022-2024 RNI. REGN. NO. MAHBIL/2021/15722

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME–4 ISSUE–11 NOV 2024 AMBERNATH PAGE 4 OF 4 RS

Miscellaneous

भारत कहीं साइबर अपराध प्रदेश ना बन जाए !

भारत में साइबर अपराध रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। सिर्फ "जागते रहो" कहते रहने से काम नहीं चलेगा ! भारत में चौकीदार जागते रहो कहते हैं तथा चोरों को भी बढ़ावा देते रहते हैं।

रोज ही यहां वहां लोगों के साइबर ठगों द्वारा ठगे जाने की खबरें आती हैं। जबकि साइबर ठगों के पकड़े जाने की तरह लुटे गए पैसे लूटे गए व्यक्ति को वापस मिलने की खबरें ना के बराबर दिखती हैं।प्रयास भी नहीं दिखता है। ऐसे में चोर - सिपाहियों की सांठ - गांठ की संभावना से कैसे इनकार किया जा सकता है।

कहां गए डिजिटल विशेषज्ञ ? क्यों नहीं कब्र ठगों को पकड़ने का सॉफ्टवेयर बना पाते हैं ये लोग ! ये भी पता नहीं कर पाते हैं कि पैसा आखिर किस बैंक में गया। ऑनलाइन ट्रांजेक्शन में तो एक एक पाई का हिसाब मिल सकता है। लिखित में।

आज इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में इतना विकास हुआ है तो ये चोरों के लिए ये गैप क्यों छोड़ दिए गए हैं।

मेरा मानना है कि जबतक पूरी सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हो जाती है कम से कम तबतक ऑनलाइन पैसे की लेनदेन पर पाबंदी लगा देनी चाहिए या नियंत्रित कर देना चाहिए !

निम्नलिखित सूचना इंडियन एक्सप्रेस के संपादकीय के उद्धृतांश का हिंदी अनुवाद है :-

"राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के अनुसार, 1 जनवरी से 30 अप्रैल के बीच 7.4 लाख शिकायतें दर्ज की गईं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार, डिजिटल गिरफ्तारी, व्यापार घोटाला, निवेश घोटाला और रोमांस/डेटिंग घोटाले जैसे कई प्रकार के घोटाले हैं। इस साल जनवरी-अप्रैल के बीच, भारतीयों ने डिजिटल धोखाधड़ी में 120.3 करोड़ रुपये, व्यापार घोटालों में 1,420.48 करोड़ रुपये, निवेश घोटालों में 222.58 करोड़ रुपये और रोमांस/डेटिंग घोटालों में 13.23 करोड़ रुपये खो दिए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, कई अपराधियों का पता म्यांमार, लाओस और कंबोडिया से लगाया जा सकता है। 2023-24 में, आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 29,082 कार्ड/इंटरनेट से जुड़ी धोखाधड़ी हुई है।"

सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव की सभा में उत्पात

योगेंद्र यादव के ट्विटर/X से :-

"अकोला में हुई प्रायोजित घटना के पीछे जो भी लोग थे क्या उन्होंने लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्था का सम्मान किया है?"

"अकोला की सभा का माहौल खराब करने वाले लोग सवाल पूछने के बहाने हंगामा कर रहे थे जबकि उन्होंने सवालों का जवाब सुनने की भी ज़हमत नहीं उठाई।"

उत्पात में तथाकथित वंचित बहुजन आघाड़ी के कार्यकर्ताओं के हाथ होने की बात कही जा रही है।

आश्चर्य है ! जो योगेंद्र यादव अपने हर भाषणों में बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान जिक्र जरूर करते हैं उन्हीं योगेंद्र यादव की सभा में भगदड़ जैसा दृश्य पैदा करना तथा उन्हें भाषण देने से रोकना और वो भी बाबासाहेब आंबेडकर के तथाकथित अनुयायियों द्वारा ये सब किया जाना समझ के बाहर है।

सरकार को घटना के पीछे जिम्मेवार लोगों की खोजखबर लेनी चाहिए तथा ये पता करना चाहिए कि ऐसा हंगामा क्यों किया गया ।

Sudheendra Kulkarni a sociao-political activist and columnist tweets

Is @UNRWA a terrorist organisation for Israeli parliament to ban its work in Gaza? Should UN be prevented from rendering humanitarian service to Palestinians facing death and destruction by Israel's relentless war? Shouldn't India protest?

Rahul Gandhi, loksabha MP and Congress Leader tweets

इस दिवाली पर करोड़ों भारतीय अपने परिवार से मिलने रेल से यात्रा करेंगे। दैनिक यात्री हो या पर्यटक, शहरी हो या ग्रामीण, श्रमिक हो या उद्योगपति - रेलवे हर भारतीय की ज़िंदगी का एक बड़ा हिस्सा या आधार है। अगर हमारी ट्रेनें रुक जाएं, तो भारत थम जाएगा। भारत को ऐसी बेहतरीन रेल सुविधा चाहिए जो सभी लोगों के लिए हो। लेकिन आज बालासोर से बांद्रा तक, हमारी रेलवे व्यवस्था टूट रही है और यात्रियों की ज़रूरतों को पूरा करने में असमर्थ है। इस समय, जब लोगों की बात सुनी जानी चाहिए तब कोई सुनने वाला नहीं है। एक बेहतर भारत बनाने के लिए मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप अपनी आवाज उठाएं। यदि आपको रेल व्यवस्था में कोई कमी दिखती है, या आपके पास सुधार के लिए कोई सुझाव है, तो कृपया अपने अनुभव हमारे साथ साझा करें: https://bit.ly/awaazbharatki आइए हम सब मिलकर अपने सपनों का भारत बनाएं। जय हिंद ।

Radeep Sardesai, a Senior Journalist tweets

Maharashtra Maha-mess: Nawab Malik to contest on NCP (Ajit Pawar) ticket from Mankhurd in Mumbai . His daughter Sana Malik will contest from Anushakti Nagar also on NCP (AP) ticket. Till few days ago, Malik was accused of being a Dawood 'man' by BJP and being denied ticket (he spent more than a year in jail on money laundering charges he denies). Now, both he and his daughter will contest, the latter as part of ruling Mahayuti, he on an NCP alliance symbol. In Maharashtra politics, nothing is permanent. Only 'winnability' and 'cash-ability' matters. Even Dawood might be chuckling! #Maha-Mess.

Narendra Modi, Prime Minister of India tweets

70 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान योजना के दायरे में लाने की अपनी गारंटी को आज धन्वंतरि जयंती पर पूरा कर मुझे बहुत संतोष मिला है।

Printed, published and owned by Harishankar Upadhyay and printed and published at Flat 15B, Jeevan Jyot, Bhidewadi, Kansai Section, Ambernath (East), Dist Thane (Maharashtra), PIN 421501. Editor Harishankar Upadhyay, Mobile 9869435995